Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 7 , मंगलवार, 30 जनवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

तीसरी मंजिल से गिरा व्यक्ति, कई मिनट तक नहीं आया कोई मदद को आगे

कोच्चि। कोच्चि के पद्मा जंक्शन इलाके में संवेदनहीनता देखने को मिली। लॉज की तीसरी मंजिल से गिरा एक व्यक्ति कई मिनट तक बेहोश पड़ा रहा, लेकिन कोई मदद के लिए आगे नहीं आया। बाद में एक महिला अधिवक्ता ने कुछ लोगों की मदद लेकर घायल को अस्पताल पहुंचाया। शनिवार शाम तीसरी मंजिल से गिरने के कारण 46 वर्षीय एक व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गया। वह काफी देर तक सड़क पर पड़ा रहा, लोग गुजरते रहे। फिर रजनी नाम की महिला अधिवक्ता ने यह देखा और वहां गुजर रहे लोगों से व्यक्ति को अस्पताल ले जाने की अनुरोध किया। जिसके बाद घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। व्यक्ति त्रिशूर जिले का रहने वाला है और कोट्टायाम के सरकारी मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। महिला ने बताया कि वह गंभीर रूप से घायल था। उसका खून बह रहा था, लेकिन सांसे चल रही थी। इसके बाद लोगों की मदद से उसे अस्पताल भर्ती कराया।

बॉयफ्रेंड करता था ब्लैकमेल, दुल्हन ने शादी से पहले पिया जहर, बनाया वीडियो

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के रोहिणी गांव में एक लड़की ने शादी से कुछ ही दिन पहले जहर पीकर जान देदी। खबर के अनुसार, युवती ने जहर पीते हुए एक वीडियो भी बनाया और इस वीडियो में बताया कि पिछले कुछ दिनों से किस तरह से उसका पूर्व ब्वॉयफ्रेंड उसे लगातार ब्लैकमेल कर रहा है। जहर पीकर जान देने वाली दुल्हन की पहचान निशा के रूप में हुई। निशा के भाई रवि काल्वे ने पुलिस को बताया कि निखिल बोरकर नाम के शख्स ने उसकी बहन का गलत इस्तेमाल किया और लगातार उसे ब्लैकमेल कर रहा था। घटना के बाद लोग निशा को पास के अस्पताल में ले गए लोग तुरंत उसे अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। निशा की शादी तय चुकी थी और अब शादी के चंद दिन ही बचे थे। निशा ने भाई ने बताया कि आरोपी ने उसकी बहन से शादी करने का वादा किया था और फिर शादी से इनकार दिया। बात इतनी होती तो भी ठीक था लेकिन वह पिछले कुछ दिनों से लगातार उसे ब्लैकमेल कर रहा था। निशा आरोपी लड़के की हरकतों से तंग आकर हार मान ली और फिर जान देने का फैसला किया।

जब दो बाघों ने घेर लिया बाइक पर बैठे लोगों को, वीडियो में देखें फिर क्या हुआ..

नई दिल्ली। क्या आपने किसी बाघ को करीब से देखा है नहीं ना, लेकिन इन बाइकर्स का आमना-सामना एक नहीं दो-दो बाघों से हुआ। यह घटना है महाराष्ट्र के नागपुर के ताडोबा नेशनल पार्क की। बाइकर्स के लिए यह दिलदहलाने वाला पल था। आगे और पीछे दोनों जगहों से बाघों ने बाइकर्स को घेर रखा था, बाइक पर बैठे दोनों लोगों की सांसे अटकी हुईं थी। रौंगटे खड़े कर देने वाली इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस घटना से कुछ दूर बैठे कार सवार लोगों ने दूर से इसका वीडियो बना लिया। 4.18 मिनट के इस वीडियो में एक बार तो बाघ वापस चला जाता है, तो दूसरे ही पल वापस हमला करने की कोशिश करता है। एक शेर से बाइक पर बैठे दो लोग बचते हैं तो दूसरा हमला करने की फिराक में उनके पास आता है। लेकिन इस पूरी घटना में बाइक पर बैठे दोनों व्यक्तियों ने सूझबूझ का परिचय दिया। दोनों बिना किसी हरकत किए बैठे रहे और बाघ को अंदाजा नहीं लगा। हालांकि बाद में बिना किसी नुकसान के बाइक पर बैठे दोनों व्यक्ति बच गए।

पंजाब: छात्रों का झगड़ा शांत कराने गए फरीदकोट के DSP ने खुद को मारी गोली

फरीदकोट। पुलिस उपाधीक्षक ब्रजेंद्र सिंह संधू पंजाब में फरीदकोट जिले के जैतो नगर के डीएसपी ब्रजेंद्र सिंह संधू की आज दोपहर गोली लगने से मौत दी गई और इस घटना में उनका अंगरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया। कथित तौर पर गोली संधू के लाइसेंसी पिस्टल से चली है। जिला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नानक सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुये कहा कि संधू की गोली लगने से मृत्यु हो गयी है। संधू कालेज परिसर में चल रहे छात्रों के धरने को हटाने को लेकर उन्हें समझाने के लिये गये थे। इसी दौरान अचानक गोली चलने से उनकी मौत हो गई।

लाभ का पद मामला:

आप विधायकों की याचिका पर हाईकोट की डबल बेंच करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। 'लाभ का पद' मामले में अयोग्य ठहराए गए आम आदमी पार्टी के 20 विधायकों के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट की डबल बेंच सुनवाई करेगी। इन विधायकों ने अपनी सदस्यता रद्द किए जाने को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने चुनाव आयोग को दिए अपने उस अंतरिम आदेश को भी बरकरार रखा है, जिसमें याचिका की अगली सुनवाई तक उप चुनावों का ऐलान नहीं किया गया था। गौरतलब ? है कि पिछली सुनवाई में दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में उप चुनावों के ऐलान पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दिया था। अब अगली सुनवाई तक चुनाव आयोग उप चुनाव का ऐलान नहीं कर सकता है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने चुनाव आयोग से आम आदमी पार्टी के विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने से संबंधित सभी रेकॉर्ड पेश करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को 6 फरवरी तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। आम आदमी पार्टी के विधायकों का तर्क है कि चुनाव आयोग ने फैसला करने से पहले उन्हें कोई जानकारी नहीं दी। उन्हें मीडिया से पता चला कि चुनाव आयोग ने उनकी सदस्यता रद्द करने का फैसला लिया है। अयोग्य करार दिए गए विधायकों का कहना है कि चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने कभी उन्हें नहीं सुना और ना ही वे तस्वीर में थे, लेकिन आर्डर में उनका भी नाम है।

आम आदमी पार्टी के 20 विधायक ही अयोग्य घोषित हुए हैं, लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट में अभी तक केवल 8 विधायकों ने ही नोटिफिकेशन को चुनौती दी है। इन 8 विधायकों ने अपनी याचिका अलग-अलग दाखिल की है।

कैलाश गहलोत, मदन लाल, सरिता सिंह, शरद चौहान और नितिन त्यागी ने एक याचिका दायर की है, जबकि राजेश ऋषि और सोमदत्त ने अलग अपील की। अल्का लांबा ने अपनी याचिका अकेले दाखिल की है।

अलग-अलग याचिका दायर करने के पीछे आम आदमी पार्टी की रणनीति बताई जा रहा है।

जानकारों का मानना है कि सब विधायकों का मामला बिल्कुल एक जैसा नहीं है, इसलिए सब एक साथ याचिका दाखिल ना करें।

351 सड़कों को लेकर फिर नाराजगी जताई नेता विपक्ष ने

नई दिल्ली। विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने 351 सड़कों को अधिसूचित न करने के मसले पर मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को घेरते हुए कहा कि दिल्ली सरकार लगातार व्यापारियों को गुमराह कर रही है। केजरीवाल सरकार के मंत्री गोपालराय के आश्वासन के बाद भी 351 सड़कों को अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है। उन्होंने यह मामला विधानसभा के शीतकालीन सत्र में उन्होंने उठाया था। उन्होंने दिल्ली सरकार से अनधिकृत कालोनियों की कट ऑफ डेट 2017 किये जाने की मांग भी की। राजधानी में सीलिंग जारी है और नेता सियासत में मस्त हैं। रविवार को एक बार फिर नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने केजरीवाल पर सीलिंग को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि 351 सड़कों को अधिसूचित करने के प्रस्ताव को दिल्ली सरकार दबाकर बैठ गई है। विधानसभा में आश्वासन के बावजूद सरकार ने अभी तक इस प्रस्ताव को आगे नहीं बढ़ाया है। जिससे इन सड़कों पर कारोबार कर रहे व्यापारियों पर भी सीलिंग की तलवार लटकी है। गुप्ता ने स्थानीय शॉपिंग सेंटरों में अधिक एफएआर देने की मांग करते हुए कहा कि इसके लिए मास्टर प्लान-2021 में संशोधन किया जाए। इसके साथ ही कंवर्जन चार्ज, ब्याज एवं जुर्माने को माफ करने के लिए आम माफी योजना लागू की जाए। हालांकि नगर निगम इसकी घोषणा करके सरकार को भेज चुके हैं। नेता विपक्ष ने आरोप लगाया कि केजरीवाल लगातार अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी नेताओं के साथ केंद्रीय शहरी विकास राज्यमंत्री के साथ बैठक हो चुकी है, उन्हें पूरी उम्मीद है कि जल्द ही व्यापारियों को राहत देने का रास्ता निकलेगा।

सीलिंग का समाधान नहीं चाहती कांग्रेस-आप

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने दिल्ली में सीलिंग के लिए दिल्ली सरकार एवं कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया कि यह दोनों ही पार्टियां सीलिंग का अंत नहीं चाहती हैं। दोनों पार्टियां मिलकर व्यापारियों को गुमराह करने की कोशिश कर रही हैं। इन दोनों पार्टियों ने नगर निगम की साझा बैठक में भाजपा के इस प्रस्ताव का विरोध किया है। हालांकि भाजपा ने प्रस्ताव पास कराकर आगे भेज दिया है। तिवारी ने कहा कि दोनों पार्टियों विधानसभा चुनावों में राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश में लगी हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दोनों ही पार्टियां इस मुद्दे को जिन्दा रखना चाहती हैं। यही वजह है कि केजरीवाल सरकार जान बूझकर 351 सड़कों का प्रस्ताव लटकाये हुए है। दिल्ली सरकार यदि इन सड़कों का नोटिफिकेशन जारी कर लाल डोरा का विस्तार कर दे, तो गांव वालों को बड़ी राहत मिल जायेगा।

छत्तीसगढ़-त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल डी. एन. सहाय का निधन

पटना (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ और त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल दिनेश नंदन सहाय का रविवार को पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में निधन हो गया। 82 साल के दिनेश नंदन काफी लंबे समय से बीमार चल रहे थे। सहाय बिहार के डीजीपी भी रह चुके थे। जानकारी के मुताबिक दिनेश नंदन सहाय को पटना के मेडिका मगध हॉस्पिटल में रविवार की रात करीब साढ़े आठ बजे दिल का दौरा पड़ा जिससे निधन हो गया। वे 23 दिसंबर 2017 से ही यहां भर्ती थे। दिनेश नंदन जी का जन्म 2 फरवरी, 1936 में बिहार के मधेपुरा में हुआ था। उनके पिता का नाम देवनंगन सहाय और माता का नाम किशोरी देवी था।

मध्यवर्गीय परिवार में जन्में दिनेश जी का पालन-पोषण पटना में हुआ था। दिनेश नंदन सहाय को डी एन सहाय के नाम से भी जाना जाता है। सहाय जी ने अंग्रेजी में एमए की डिग्री हासिल की उसके बाद भोजपुर जिले के हरप्रसाद दास जैन कॉलेज, आरा में प्रवक्ता के रूप में अपने कॅरियर की शुरुआत की। 1960 में सिर्फ 24 साल की उम्र में भारतीय पुलिस सेवा के लिए इनका सेलेक्शन हुआ। भारतीय पुलिस सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने समता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। 1 नवंबर साल 2000 को मध्यप्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ राज्य के वह पहले राज्यपाल नियुक्त किये गये थे।

वह साल 2000 से 2003 तक छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रहे। उसके बाद उन्होंने वर्ष 2003 में त्रिपुरा के राज्यपाल का पदभार संभाला। उनकी पत्नी का नाम मंजू सहाय है। उन्हें एक बेटा और दो बेटियां हैं।

नीतीश ने डीएन सहाय के निधन पर जताया दुख

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने त्रिपुरा और छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल डीएन सहाय के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि वे मूलत: बिहार के रहने वाले थे। वे एक कुशल राजनेता, पुलिस अधिकारी और कर्मठ समाजसेवी थे। उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जायेगा।

दिल्ली सरकार फिर घिरी मुसीबत में

एलजी से मंजूरी ली नहीं, रखे वकील भुगतान कर दिया 2.64 करोड़ का

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार द्वारा बिना वित्त विभाग की अनुमति लिए व बिना एलजी की पूर्व अनुमति लिए स्पेशल काउंसेल (अधिवक्ता) की नियुक्ति की गई है जिससे सरकार को 2.64 करोड़ रपए का भारी घाटा उठाना पड़ा है। इस घाटे की राशि में भारी बढ़ोत्तरी संभावित है। सूत्रों के अनुसार उपराज्यपाल के कार्यालय ने स्पेशल काउंसेल के नियुक्ति संबंधी 43 फाइलों को जांच के लिए भेजा।

उपराज्यपाल कार्यालय ने जानना चाहा कि क्या ये नियुक्ति कानूनन वैध हैं। इसकी जांच विस्तार पूर्वक की गई। जांच में सामने आया कि स्पेशल काउंसेल की नियुक्ति के लिए उपराज्यपाल की अनुमति अनिवार्य है लेकिन दिल्ली सरकार के कानून मंत्री ने फाइल पर लिखा कि उपराज्यपाल की अनुमति की जरूरत ही नहीं है, कानून मंत्री ही स्पेशल काउंसेल की नियुक्ति कर सकते हैं। कानून मंत्री की टिप्पणी के बाद उनके आदेश से नियुक्तियां की गई व वकीलों को फीस अदायगी शुरू हो गई। जब तक कानून मंत्री ने इस टिप्पणी के साथ फाइल को कानून विभाग के पास भेजा, तब तक ये काउंसेल काफी मामलों में सरकार की ओर से कोर्ट में उपस्थित हो चुके थे। यानि उनकी फीस के बिल बनने शुरू हो गए।

कानून विभाग ने बाद में यह कहा कि निर्धारित पैनल के अलावा इस प्रकार की नियुक्ति के लिए नियम ही निर्धारित नहीं किए गए। साथ ही इन काउंसेल की फीस का भी निर्धारण नहीं किया गया। यानी कानून विभाग ने भी निर्धारित सरकारी पैनल के अलावा इस प्रकार की नियुक्ति के लिए गाइडलाइन नहीं तैयार की थी।

जब दिल्ली उच्च न्यायालय ने उपराज्यपाल के अधिकार वर्ष 2016 में तय कर दिए तो कई विभागों ने कानून विभाग से जानकारी मांगनी शुरू की कि स्पेशल काउंसेल की नियुक्ति संबंधी फाइल उपराज्यपाल को भेजी जानी चाहिए थी या नहीं । कानून विभाग ने स्पष्ट कर दिया कि स्पेशल काउंसेल की नियुक्ति संबंधी सभी फाइल उपराज्यपाल को भेजी जानी चाहिए थी। कानून विभाग ने स्थिति स्पष्ट करना शुरू किया। इसके बाद आनन फानन में स्पेशल काउंसेल की नियुक्ति संबंधी 43 फाइलें एलजी को भेजी जाने लगी। अब यह सामने आया है कि बिना एलजी की अनुमति लिए की गई नियुक्ति पर 2.64 करोड़ रपए खर्च हो चुके हैं व इस राशि में भारी बढ़ोत्तरी होना संभव है क्योंकि जांच के समय भी कई काउंसेल कोर्ट में उपस्थित होकर बिल बना रहे थे। बिना एलजी के अनुमति लिए नियुक्ति के मामले की रिपोर्ट अब तैयार है व जल्द यह रिपोर्ट राजनिवास पहुंचने वाली है।

बिजली के चार खंभे अचानक गिरे, मची चीख-पुकार, अफरा-तफरी

कुशीनगर। कुशीनगर के जटहा बाजार क्षेत्र के ग्राम घूरछपरा के कचहरी टोला में सोमवार दोपहर बाद लोगों की चीख-पुकार के साथ अचानक अफरा-तफरी मच गई। इस टोले के चार बिजली के पोल व तार अचानक भरभराकर जमीन पर गिर गए थे। इसके कारण गांव का मुख्य रास्ता ही बंद हो गया और लोगों की आवाजाही रुक गई।

संयोग अच्छा रहा कि कोई हादसा नहीं हुआ। घूरछपरा गांव की एक व्यक्ति सोमवार दोपहर बाद खेत में पेड़ काट रहा था। इसी दौरान अचानक एक डाल टूटकर बिजली के तार पर गिर गया और इससे एक ट्रांसफार्मर सहित चार पोल व तार टूटकर जमीन पर गिर गए।

रास्ता बंद हो गया और लोगों में एक घंटे तक अफरा-तफरी मची रही। इस हादसे में सीताराम यादव नामक व्यक्ति को चोटें आई हैं। इस हादसे के बाद गांव की आपूर्ति रोक दी गई है।

शाम तक गांव में विभाग का कोई जिम्मेदार नहीं पहुंचा था और लोग परेशान थे। इस संबंध में विभागीय जेई बबलू चौधरी ने बताया कि सूचना मिली है। मौके पर टीम भेजी जा रही है। जांच कर क्षति का आंकलन कराते हुए दोषी के खिलाफ कार्रवाई होगी। शीघ्र ही आपूर्ति बहाल करा दी जाएगी।

कासगंज हिंसा: हटाए गए एसपी,

मृतक चंदन के पिता ने स्वीकारा 20 लाख का चेक

एटा (एजेंसी)। कासगंज हिंसा मामले में सरकार ने एसपी सुनील कुमार सिंह को हटा दिया है। उनकी जगह पीयूष श्रीवास्तव नए एसपी होंगे। वहीं कासगंज में हुई हिंसा के बाद अब स्थिति तेजी से सामान्य हो रही है। बाजार खुलने लगे हैं। लोगों की आवाजाही बढ़ी है, हालांकि एहतियात के तौर पर कस्बे में सुरक्षाबल कड़ी चौकसी रहे हैं। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हिंसा में जान गंवा देने वाले चंदन गुप्ता के घर पहुंचकर उनके परिजनों को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने आज बीस लाख रुपये का चेक सौंपा। मौके पर मौजूद विधायक देवेंद्र सिंह ने चंदन के पिता को 1 लाख रुपये का नकद दिया। इस बीच जिलाधिकारी आरपी सिंह के साथ पुलिस अधीक्षक एसपी सुनील कुमार और अमापुर क्षेत्र से विधायक देवेन्द्र सिंह को वहां विरोध का भी सामना करना पड़ा।

लोगों ने जिला प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लोग इनके आगमन का जोरदार विरोध कर रहे थे। परिजन हिंसा में जान गंवा देने वाले बेटे को शहीद का दर्जा दिये जाने की मांग कर रहे थे। मृतक चंदन गुप्ता के परिवार के लोगों ने काफी मान मनौवनल के बाद चेक को स्वीकार किया। जिलाधिकारी आर पी सिंह ने बताया कि कासगंज का माहौल तेजी से सामान्य हो रहा है और लोग अपने घरों से अब निकल रहे हैं। एहतियात के तौर पर शहर में अभी धारा 144 लागू है। उन्होंने बताया कि पुलिस बल के साथ अधिकारी गश्त कर रहे हैं।

कस्बे में ड्रोन कैमरों से भी नजर रखी जा रही है। लोगों से आपसी सद्भाव बनाये रखने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की जा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटे से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। पुलिस अब तक 112 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। उन्होंने बताया कि इंटरनेट सेवा अभी बंद है। हालात की समीक्षा के बाद रात को इंटरनेट चालू करने या नहीं करने पर निर्णय लिया जायेगा।

तेंदुए को मरा समझ कर ले रहा था सेल्फी, हुआ खौफनाक हादसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आजकल लोगों में सेल्फी क्रेज इतना ज्यादा है कि वह इसके लिए अपनी जान की भी परवाह नहीं करते।

राजस्थान में उदयपुर के एक युवक के साथ जो हादसा हुआ वह डराने वाला है। सड़क किनारे एक घायल तेंदुआ पड़ा था। तभी वहां से गुजर रहा एक बाइक सवार युवक सेल्फी लेने के लिए तेंदुआ के पास गया तो तेंदुए ने उसे दबोच लिया। इसके बाद किसी तरह बड़ी मुश्किल से युवक तेंदुए से छुटकर भागा। बाइक सवार दो लोग थे।

एक युवक तेंदुए के दबोचने से घायल हो गया तो दूसरा भागते वक्त गिरकर घायल हो गया। बताया जा रहा है कि जैसे ही तेंदुए ने युवक को दबोचा तो उसके होश उड़ गए और जोर जोर से बचाने के लिए गुहार लगाने लगा। उसका दूसरा साथी ने पास के गांव वालों को आवाज लगाई। गांववाले उन्हें बचाने पहुंचते कि इससे पहले ही तेंदुए ने युवक को छोड़ दिया, जिसके बाद दोनों वहां से जान बचाकर भागे।

निष्क्रिय होना मृत्यु का एक छोटा रास्ता है, मेहनती होना अच्छे जीवन का रास्ता है, मूर्ख लोग निष्क्रिय होते हैं और बुद्धिमान लोग मेहनती -गौतम बुद्ध

राष्ट्र की अखंडता और अनेकता

तिरंगा हमारे राष्ट्र की अखंडता और अनेकता में एकता का गौरवमय प्रतीक है, उसे ही टकराव और हिंसा की आवाज बना दिया गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश के कासगंज में दोनों तरफ गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा लहराने का जश्न जारी था। एक मोहल्ले की सड़क पर कुर्सियां लगी थीं और स्तंभ खड़ा था, जिस पर तिरंगा लहराया जाने वाला था। दूसरी ओर से कुछ बाइक सवारों की तिरंगा यात्रा निकल रही थी। उनकी जिद थी कि यात्रा उसी सड़क से निकलेगी तो दूसरी ओर कार्यक्रम संपन्न करने की मोहलत चाहिए थी। तनातनी बढ़ने की और भी वजहें बताई जा रही हैं। लेकिन सवाल है कि अगर मकसद गणतंत्र और तिरंगे के प्रति आस्था ही जाहिर करना था तो झंडोत्तोलन कायक्रम पहले हो जाता या तिरंगा यात्रा दूसरी राह से गुजर जाती या फिर यात्रा गुजर जाने देने के बाद ही झंडोत्तोलन होता तो क्या फर्क पड़ जाता? तिरंगे के प्रति सम्मान तो फिर भी जाहिर किया जा सकता था। इसी से संकेत मिलता है कि समाज में कैसी प्रवृत्तियां जन्म ले रही हैं। जाहिर है, ये विघटनकारी प्रवृत्तियां न हमारे गणतंत्र के लिए अच्छी हैं, न तिरंगे की शान के लिए। इसलिए ऐसे रुझानों पर अंकुश लगाना जरूरी है। यहीं सरकार और सियासी दलों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। फिर सत्तारूढ़ राजनैतिक बिरादरी का तो दायित्व कुछ ज्यादा ही होना चाहिए कि समाज में ऐसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा न मिले। लेकिन राजनैतिक दल अपने इस दायित्व के प्रति अधिक सचेत नजर नहीं आते। आखिर तिरंगा यात्रा सत्तारूढ़ पार्टी से जुड़े संगठन निकाल रहे थे और बाद में सभा-जुलूसों में स्थानीय विधायकों की शिरकत की भी खबरें आई। लेकिन अगर प्रशासन पहले ही ऐहतियातन कदम उठा चुका होता तो शायद इस हिंसा से बचा जा सकता था। प्रशासन संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर तिरंगा यात्रा का रूट बदलवा सकता था या फिर झंडोत्तोलन कार्यक्रम को ही कहीं और करने को कह सकता था। लेकिन अफसोस! प्रशासन अपनी इस जिम्मेदारी को निभाने में नाकाम रहा, राजनैतिक दलों ने अपना दायित्व नहीं निभाया। नतीजा यह हुआ कि कुछ बेकसूर लोगों की जान चली गई और सार्वजनिक-निजी संपत्तियां आग के हवाले कर दी गई। अब भी वक्त है कि सरकार इस आग को दूसरे इलाकों में फैलने से रोके, कासगंज में शांति बहाली के लिए शरारती तत्वों पर अंकुश लगाए। तभी हमारे गणतंत्र और तिरंगे की शान भी कायम रहेगी।

''रिवार्ड वर्क,

काबुल (अफगानिस्तान की राजधानी) में हुआ भयानक विस्फोट दुनिया भर के लिए आतंकवादियों की ओर से दिया गया यह खतरनाक संदेश है कि उनको खत्म करने की कोशिश कामयाब नहीं हो रही। जितनी भारी संख्या में लोग मरे एवं घायल हुए उससे यह हाल के समय का सबसे बड़ा हमला हो गया है। तालिबान यदि इसकी जिम्मेवारी न लेता तो भी संदेह की सुई उसी की ओर जानी थी। 20 जनवरी को भी तालिबान ने काबुल के एक होटल पर हमला किया था, जिसमें 25 लोग मारे गए थे। पिछले साल मई में जर्मन दूतावास के निकट तालिबान ने विस्फोट करके 150 से ज्यादा लोगों को मार डाला था। उसके बाद से यह अब तक का सबसे बड़ा हमला है। यहां भी जिस इलाके को विस्फोट के लिए चुना गया वहीं भारतीय काउंसलर कार्यालय, यूरोपीय संघ के कार्यालय, स्वीडन एवं हॉलैंड के दूतावास हैं। इससे ऐसा लगता है कि इस बार भी तालिबानों के निशाने पर विदेशी ही रहे होंगे। वस्तुत: जिस एंबुलेंस में विस्फोटक लदा था उसमें एक मरीज को अस्पताल ले जाने का बहाना बनाकर आतंकवादी एक चेकपोस्ट पार कर कर गए थे, लेकिन दूसरे चेकपोस्ट पर उनका पता चल गया एवं वही उन्होंने विस्फोट कर दिया। विस्फोट इतना बड़ा था कि दो किलोमीटर के दायरे में स्थित इमारतों की खिड़कियां हिल गई और विस्फोट स्थल के पास की कम ऊंचाई के ढांचे ध्वस्त हो गए। विस्फोट के लिए एंबुलेंस का इस्तेमाल करना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। इस हमले के बाद एक-एक एंबुलेंस संदेह के घेरे में आ जाएगा। यह निंदनीय है। किंतु आतंकवादियों को इससे क्या लेना-देना। अफगान गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने इसे तालिबान संबद्ध हक्कानी नेटवर्क की कारगुजारी बताया है। जबसे अमेरिका ने पाकिस्तान पर तालिबानों के खिलाफ कार्रवाई का दबाव बढ़ाया है और अफगानिस्तान स्थित अपने सैनिकों की संख्या में बढ़ोत्तरी की घोषणा की है तबसे हक्कानी नेटवर्क विदेशियों के विरुद्ध कुछ ज्यादा ही आक्रामक हो गया है। हक्कानी और अफगानी तालिबानों के बीच तालमेल भी है। अब देखना है उस चुनौती का सामना हम कैसे करते हैं?

सत्संग
आशा और निराशा

मनुष्य का जीवन आशा और निराशा का मिश्रण है। कभी हम यह सोचते हैं कि ऐसा करेंगे तो हमें सफलता मिल सकती है, लेकिन दूसरे ही पल हमें अपनी ही सफलता संदिग्ध लगने लगती है और फिर हम किंतु-परंतु के फेर में पड़ जाते हैं। यह हमारे ऊपर है कि हम किस दृष्टिकोण को अपनाते हैं। यदि हम आशावान बनकर सफलता के प्रति आसक्त हैं, तो हम हर हाल में सफलता को प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि हम निराशा के भंवरजाल में फंसकर यह चिंता करने लगेंगे कि हम सफल हो पाएंगे या नहीं, तो हमारी सफलता भी संदिग्ध जाएगी। हमारी हार और जीत को हमारा मन और मस्तिष्क ही तय करता है। हमारे पास कई ऐसे लोग भी आते हैं, जो कहते हैं कि गुरु जी, हमारे साथ अक्सर ऐसा होता है कि हम अपने लक्ष्य के बिल्कुल करीब होते हैं, फिर अचानक से लक्ष्य हमसे काफी दूर चला जाता है। कभी-कभी जरूर ऐसा होता है कि हम पूरी उम्मीद और निष्ठा के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कठोर परिश्रम करते हैं, लेकिन इसके बावजूद हम लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाते। ऐसी स्थिति में भी हमें आशा का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। जब आप अपनी पिछली गलतियों से सबक सीखते हैं, तो आप स्वत: ही अपने लक्ष्य को अपने करीब पाते हैं। हमारे जीवन में बारी-बारी से सुख-दुख दोनों आते रहते हैं, लेकिन दोनों ही परिस्थितियों में हमें सहज बने रहना चाहिए। जीवन जीने की कला यही है कि जब हमारे जीवन में सुख आएं तो हमें जी भर के हंस लेना चाहिए और जब दुख आएं तो उन्हें हंसी में उड़ा देना चाहिए। समय चाहे सुख वाला हो या दुख वाला, दोनों ही बीत जाते हैं, इसलिए हमें सुख में अपना संयम और दुख में अपना धैर्य नहीं खोना चाहिए। सुख-दुख, अंधेरे और प्रकाश की तरह हैं। जिस तरह हर रात की सुबह होती है। उसी तरह सुख-दुख के साथ भी ऐसा ही होता है। जब लोग दुख में होते हैं, तो भगवान को याद करते हैं, लेकिन सुख आने पर वे भगवान को भूल जाते हैं। कवि कहता है कि दुख में भगवान को सभी याद करते हैं, लेकिन सुख में उसे कोई याद नहीं करता। अगर लोग सुख में भी भगवान को याद करें तो उन्हें दुख आएगा ही नहीं। दरअसल, भगवान को याद करते हुए जब हम अपने निवेदन में उसकी प्रार्थना करते हैं, तो हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। प्रार्थना से हमें बल, विास, प्रेरणा, आशा और मार्गदर्शन मिलता है।

''नेचुरल पार्टी आफ करप्शन'

लोक सभा और बाद के विधान सभा चुनाव भाजपा के साथ नहीं लड़ेगी, मगर जिस भाजपा से वह इतनी नफरत करती है अभी उसके नेतृत्व में राज्य और केंद्र में सरकार में बनी रहेगी। उन्हें छोड़ने का साहस नहीं कर पा रही है। इसलिए राजनीतिक पर्यवेक्षक कह रहे हैं कि शिवसेना का यह तलाक धमकी ज्यादा है। धमकी के जरिये वह अपनी सौदेबाजी की ताकत बढ़ाना चहती है। सरकार में बने रहना इसका संकेत है। सवाल उठता है कि आखिरकार भाजपा और शिवसेना के बीच झगड़े की वजह क्या है? और इसके लिए जिम्मेदार कौन है? कुछ राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि शिवसेना महाराष्ट्र में भाजपा को हमेशा दूसरे दर्जे पर ही रखवना चाहती थी।

सतीश पेडणोकर

लाक तलाक तलाक। यह कहकर भाजपा की सबसे पुरानी सहयोगी पार्टी शिवसेना ने भाजपा को तलाक दे दिया। यूं तो भाजपा के बहुत से सहयोगी दल रहे हैं, जिनके साथ उसका गठजोड़ होता है। मगर भाजपा और शिवसेना का नाता खास है। दोनों कहते थे कि दोनों का गठबंधन चुनावी नहीं वैचारिक है क्योंकि दोनों की विचारधारा हिन्दुत्व ही है। दोनों की यह वैचारिक एकता ने दोनों को साथ भले ही रखा हो मगर यह रिश्ता मनमुटाव और प्रतिस्पर्धा का भी था। मनमुटाव इतना बढ़ गया कि आखिरकार गठबंधन टूट गया। मगर शिवसेना ने यह तलाक बहुत अजीब तरीके से दिया। उसने कहा वह 2019 में लोक सभा और बाद के विधान सभा चुनाव भाजपा के साथ नहीं लड़ेगी, मगर जिस भाजपा से वह इतनी नफरत करती है अभी उसके नेतृत्व में राज्य और केंद्र में सरकार में बनी रहेगी। उन्हें छोड़ने का साहस नहीं कर पा रही है। इसलिए राजनीतिक पर्यवेक्षक कह रहे हैं कि शिवसेना का यह तलाक धमकी ज्यादा है। धमकी के जरिये वह अपनी सौदेबाजी की ताकत बढ़ाना चहती है। सरकार में बने रहना इसका संकेत है। सवाल उठता है कि आखिरकार भाजपा और शिवसेना के बीच झगड़े की वजह क्या है? और इसके लिए जिम्मेदार कौन है? कुछ राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि शिवसेना महाराष्ट्र में भाजपा को हमेशा दूसरे दर्जे पर ही रखना चाहती थी। पिछले कुछ वर्षो में यह ख्वाब टूट जाने के कारण ही शिवसेना और भाजपा के संबंध बिगड़े और अब शिवसेना ने भाजपा से गठबंधन तोड़ने का फैसला किया। तीन दशक पहले रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान शिवसेना-भाजपा ने हिन्दुत्व के मुद्दे पर गठबंधन किया था। चूंकि भाजपा राष्ट्रीय पार्टी थी, इसलिए लोक सभा चुनाव में भाजपा को ज्यादा सीटें देने और क्षेत्रीय दल होने के कारण विधान सभा चुनाव में शिवसेना को ज्यादा सीटें दिए जाने का फैसला हुआ था। शिवसेना राज्य की राजनीति में भाजपा को हमेशा छोटे भाई जैसा बर्ताव करती रही। शिवसेना को यह डर सताता रहा कि बराबरी की सीटों पर लड़कर भाजपा ज्यादा सीटें लाएगी और मुख्यमंत्री पद पर अपना दावा करेगी। इसलिए गठबंधन टूट गया। शिवसेना ने महाराष्ट्र में लोक सभा और विधान सभा चुनाव अकेले लड़ने के फैसले के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया है। शिवसेना का कहना है कि बीजेपी सहयोगी दलों को महत्त्व नहीं दे रही है इसलिए अब पार्टी ने अपनी भविष्य की रणनीति तय कर ली है। शिवसेना भाजपा पर कोई भी आरोप लगाए मगर भाजपा उसे खतरा नहीं मानती। भाजपा को लंबे समय से अंदेशा था कि ऐसा हो सकता है क्योंकि शिवसेना सरकार में शामिल होने के बावजूद विपक्ष की तरह बर्ताव कर रही थी। वह केंद्र और राज्य सरकार पर लगातार छींटाकसी करती रहती थी। पिछले कुछ समय से राहुल गांधी की भी तारीफ करने लगी थी। शिवसेना को विपक्षी एकता में शामिल करने के लिए ममता उद्धव से मिली थी। भाजपा को यह भी लगता है कि शिवसेना अपनी सौदेबाजी की क्षमता बढाने के लिए यह सब कर रही है। दरअसल, शिवसेना भाजपा दोनों ही हिन्दुत्ववादी दल है इसलिए वे साथ-साथ हैं, मगर उनमें कड़ी प्रतिस्पर्धा अपना प्रभाव बढ़ाने की है और पिछले कुछ समय में भाजपा का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। ऐसा होना स्वाभाविक है क्योंकि शिवसेना का हिन्दुत्व भावनात्मक ज्यादा और बौद्धिक कम है। संघ के पूर्व सरसंघचालक केएस सुदर्शन ने कहा था ''शिवसेना का हिन्दुत्व भावनात्मक धरातल पर है। वैचारिक अधिष्ठान के क्षेत्र में उसने विशेष कुछ नहीं किया। दरअसल, शिवसेना ने हिन्दुत्व के भावनात्मक मुद्दे भले ही उठाए हो मगर उसे फैलाने की सुनियोजित कोशिश नहीं की। संघ और भाजपा ने ऐसी कोशिश की जिसका लाभ उन्हें मिल रहा है। शिवसेना उसके साथ लंबे समय तक प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएगी। वैसे शिवसेना का मुद्दा केवल हिन्दुत्व ही नहीं है। वरन उसके दो मुद्दे हैं। हिन्दुत्व और मराठी मानुस; किंतु राज ठाकरे की राजनीतिक दुर्गति से स्पष्ट हो गया कि अब मराठी मानुस के मसले की वैसी अपील नहीं रही। इस घटनाक्रम से कांग्रेस काफी खुश है। उसने शिवसेना के जले पर नमक छिड़कते हुए अपील की है कि वह सरकार भी छोड़े। शिवसेना ने सरकार में बने रहने का फैसला इसलिए किया है क्योंकि उसे डर यह है कि अगर उसने सरकार छोड़ी तो उसके बहुत से विधायक साथ छोड़कर भाजपा में जा सकते हैं। लेकिन यह सही है कि शिवसेना की घोषणा से राज्य में राजनीतिक अनिश्चितता आ गई है। सबकी निगाहें अब शरद पवार की एनसीपी पर टिक गई हैं। पवार की मोदी से बहुत घनिष्ठता है। शिवसेना यदि सरकार भी छोड़ती है तो पवार सरकार को अपने समर्थन से बचा सकते हैं। भाजपा को एनसीपी के संभावित समर्थन के कारण शिवसेना सौदेबाजी नहीं कर पाई। एनसीपी और भाजपा के इस रिश्ते से उसके सीने पर सांप जरूर लोटते रहे। लेकिन भाजपा को अगला चुनाव एनसीपी के साथ लडना पड़ सकता है। यह स्थिति भाजपा के लिए बेहद शर्मनाक होगी। एनसीपी के कई मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के मामले चल रहे हैं। मोदी ने अपने चुनाव अभियान में उसे ''नेचुरल पार्टी आफ करप्शन' कहा था। चुनाव में यदि भाजपा को अकेले नहीं लड़ना है तो उसे एनसीपी के साथ गठबंधन करना होगा। अब अगर एनसीपी के साथ चुनाव लड़ना है तो उसके मंत्रियों के भ्रष्टाचार के मामलों से बरी करना होगा, जिससे भाजपा की छीछालेदार होगी। वैसे शिवसेना के इस फैसले से भाजपा और शिवसेना दोनों को ही नुकसान होगा। भाजपा अपने बूते बहुमत नहीं ला सकती क्योंकि हिन्दू वोट भाजपा और शिवसेना में बंटेगा। मोदी लहर के कारण वह इतनी जीत हासिल कर पाई और आगे भी संभव नहीं होगा। पिछले चुनावों जैसी सफलता नहीं मिल पाएगी। दूसरे शिवसेना भी एक ताकत के रूप में उभरी है। शिवसेना अपने बूते विधान सभा चुनाव लडेगी तो मुंह के बल गिरेगी क्योंकि विदर्भ और पश्चिम महाकाष्ट्र में उसका प्रभाव है ही नहीं इसलिए 150 सीटें लाने की सोचना ''मुंगेरी लाल के हसीन सपने' देखना होगा। इसलिए भाजपा और शिवसेना के बारे में कहा जाता है कि दोनों एक दूसरे के पूरक है। कहावत है न मुझे और नहीं तुम्हें ठौर नहीं। पिछली बार की तरह दोनों को फिर साथ आना होगा।

चलते चलते
विज्ञान और योग

मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल झाबुआ जिले के एक सरकारी विद्यालय में ऐसा ही कुछ हुआ है। यहां 12 साल की एक छात्रा को शिक्षक ने होमवर्क पूरा न करने की अजीब सजा दी। शिक्षक ने छात्रा को उसके क्लास की चौदह छात्राओं से लगातार छह दिन तक थप्पड़ लगवाए।

स्कूलों में बच्चों के लिए अनुशासन बेहद जरूरी है। हालांकि इसे शारीरिक दंड के जरिये लागू करना बहुत ही अमानवीय और आपत्तिजनक है। लेकिन मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल झाबुआ जिले के एक सरकारी विद्यालय में ऐसा ही कुछ हुआ है। यहां 12 साल की एक छात्रा को शिक्षक ने होमवर्क पूरा न करने की अजीब सजा दी। शिक्षक ने छात्रा को उसके क्लास की चौदह छात्राओं से लगातार छह दिन तक थप्पड़ लगवाए। इस संवेदनहीन व्यवहार के चलते छात्रा न केवल बीमार पड़ गई बल्कि अब डर के कारण उसने स्कूल जाने से भी मना कर दिया है। यह सब कुछ उस राज्य में हुआ, जिनकी पार्टी की अनोखी मुहिम है ''पढ़ेगी बेटी, तभी तो आगे बढ़ेगी बेटी।' नरेन्द्र मोदी सरकार का यह अभियान उन्हीं की पार्टी द्वारा शासित एक राज्य में मुंह चिढ़ाता नजर आ रहा है। जब तक बेटी शिक्षित और सुरक्षित नहीं होगी, तब तक देश और समाज में बदलाव नहीं आ सकता है। मगर स्कूल प्रबंधन की ऐसी घटिया हरकतों से अच्छी योजनी की बदरंग तस्वीर ही दिखती है। साफ तौर पर यह विद्यालय की नाकामी है। विद्यालय को तो छात्र-छात्राओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। किसी भी तरह की सजा का बच्चों के मन पर गहरा असर पड़ता है। पूर्व में देश के अन्य विद्यालयों के शिक्षक की सख्ती के चलते बच्चों द्वारा आत्महत्या करने की वारदात भी सामने आई है। ऐसे में हर विद्यालय को यह इल्म होना चाहिए कि सख्ती करना या भय पैदा करना या किसी तरह का दंड देना किसी बच्चे को उनसे कितना दूर ले जाएगा? दुर्भाग्य से स्कूलों में क्रूर या असामान्य सजा पर प्रतिबंध लगाने का कोई राष्ट्रीय कानून नहीं है। शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति केवल यह कहती है कि शारीरिक दंड अनुज्ञेय नहीं हैं।

स्वाभाविक तौर पर एक गुरु या शिक्षक छात्र के लिएआदर्श मॉडल होता है। बच्चे आमतौर पर अपने शिक्षक का अनुकरण करते हैं। उन्हें अपने छात्रों से धैर्य से निपटना, सलाह देना और जीवन के हर क्षेत्र मसलन; शिक्षाविदों, खेल, संगीत और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्टता के लिए मागदर्शन करना चाहिए। शिक्षकों को यह जानना बेहद जरूरी है कि आज की पीढ़ी जागरूक है। दूसरा; स्कूल मैनेजमेंट की भूमिका पारदर्शी होनी चाहिए, तभी उनकी गरिमा बनी रहेगी।

फोटोग्राफी...

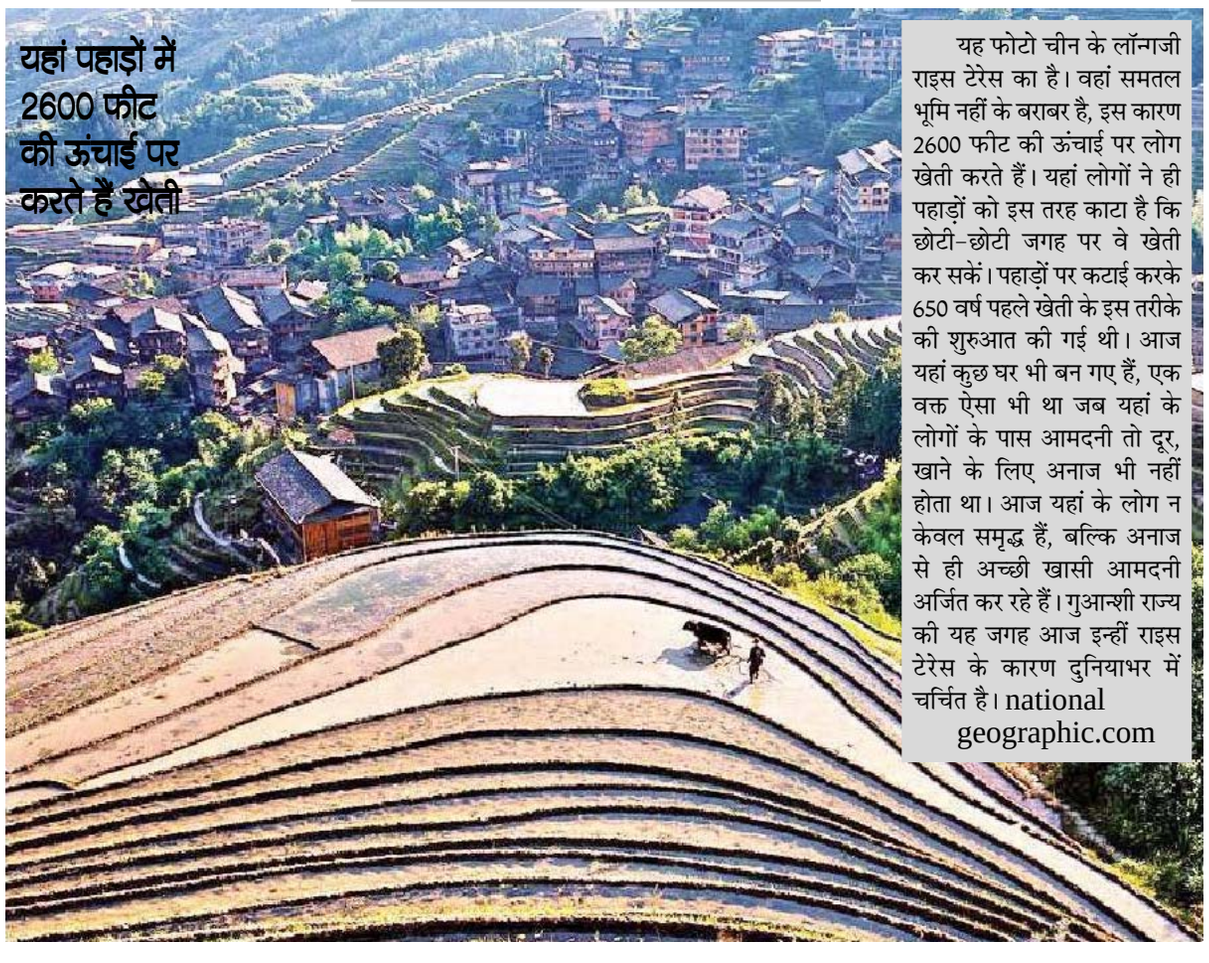

यहां पहाड़ों में 2600 फीट की ऊंचाई पर करते हैं खेती

यह फोटो चीन के लॉन्गजी राइस टेरेस का है। वहां समतल भूमि नहीं के बराबर है, इस कारण 2600 फीट की ऊंचाई पर लोग खेती करते हैं। यहां लोगों ने ही पहाड़ों को इस तरह काटा है कि छोटी-छोटी जगह पर वे खेती कर सकें। पहाड़ों पर कटाई करके 650 वर्ष पहले खेती के इस तरीके की शुरुआत की गई थी। आज यहां कुछ घर भी बन गए हैं, एक वक्त ऐसा भी था जब यहां के लोगों के पास आमदनी तो दूर, खाने के लिए अनाज भी नहीं होता था। आज यहां के लोग न केवल समृद्ध हैं, बल्कि अनाज से ही अच्छी खासी आमदनी अर्जित कर रहे हैं। गुआन्शी राज्य की यह जगह आज इन्हीं राइस टेरेस के कारण दुनियाभर में चर्चित है। national geographic.com

अहम फैसले

हाई कोर्ट ने हाल ही में सुनाए अपने एक अहम फैसले में, सीबीआई की विशेष अदालत के उस फैसले को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने सोहराबुद्दीन फर्जी मुठभेड़ मामले की सुनवाई की कार्यवाही की रिपोर्टिंग या प्रकाशन पर रोक लगा दी थी। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे ने इस मामले में अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि आरोपितों द्वारा सनसनी फैलाने की चिंता मात्र, इस तरह के पाबंदी आदेा जारी करने का पर्याप्त आधार नहीं हैं। इस तरह की पाबंदी नाजायज है और यह आदेश पत्रकारों को अभिव्यक्ति की आजादी के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करता है। अदालत का इस बारे में साफ कहना था कि प्रेस के अधिकार, अभिव्यक्ति की आजादी प्रदान करने वाले संवैधानिक अधिकार में निहित हैं। एक खुली सुनवाई की रिपोर्टिंग में प्रेस न केवल अपने अधिकार का इस्तेमाल करती है, बल्कि आम जनता को इस तरह की सूचनाएं मुहैया कराने के बड़े मकसद को पूरा करती है। अदालत ने अपने फैसले में यहां तक कहा कि इंसाफ सिर्फ होना ही नहीं चाहिए, बल्कि होते हुए दिखना भी चहिए। खुली अदालत का मकसद ही यही है और मीडिया इस संदेश को जनता तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है। जाहिर है कि अदालत ने जो कुछ कहा, उसमें कोई भी बात गलत नहीं है। अदालत ने अपना फैसला, संविधान और कानून की रोशनी में ही दिया है। प्रेस की आजादी को लेकर जस्टिस मोहिते डेरे का यह अहमतरीन फैसला ऐसे दौर में आया है, जब मीडिया सत्ता के बेहद दबाव में है। अपना काम कर रहे पत्रकारों को लगातार धमकियों और हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। संदेह, सवालों और हरदम नये विवादों में घिरे रहे सोहराबुद्दीन शेख फर्जी मुठभेड़ मामले की सुनवाई मुंबई की एक विशेष सीबीआई अदालत में चल रही है, जिसने बीते साल 29 नवम्बर को बचाव पक्ष की एक अर्जी के बाद मीडिया को अदालती कार्यवाही की रिपोर्टिंग करने से रोक दिया था। अदालत के इस आदेश को गैरकानूनी बताते हुए इसके खिलाफ दो याचिकाएं बांबे हाईकोर्ट में दाखिल की गईं। एक याचिका बृहनमुंबई पत्रकार संघ ने तो दूसरी याचिका विभिन्न अखबारों और समाचार चैनलों की ओर से नौ पत्रकारों ने दायर की। बचाव पक्ष की इस दलील सुनने के बाद, जस्टिस डेरे ने सीबीआई की विशेष अदालत के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि मामला कितना भी गंभीर हो, क्या आप उस प्रावधान के बारे में बता सकते हैं, जिसके अनुसार यह आदेश दिया गया है? अगर ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो क्या किसी ट्रायल कोर्ट जज को इस तरह का आदेश देने का अधिकार है? संवैधानिक मुद्दों पर जोर देने के साथ अदालत ने यह बात भी मानी कि सीबीआई के विशेष जज ने अपनी शक्तियों से बाहर जाकर मीडिया रिपोर्टिंग पर पाबंदी का आदेश दिया है। गाहे-बगाहे कोई ना कोई दलील देकर कभी अभियुक्त, तो कभी अभियोजन पक्ष अदालत में मीडिया रिपोर्टिंग पर पाबंदी लगाने की कोशिश करते रहते हैं। ऐसे में ये फैसला नजीर साबित होगा। इस मामले की सुनवाई सालों से चल रही है। कभी भी मीडिया की रिपोर्टिंग पर न तो कोई उंगली उठी और न ही पाबंदी लगी। फिर बिना किसी आधार के उस पर पाबंदी लगा दी गई, वह भी एक आरोपी की मांग पर। इस मोड़ पर मीडिया पर पाबंदी का कोई तुक नहीं है। यह मीडिया की अभिव्यक्ति की आजादी के खिलाफ है। यही वजह है कि हाई कोर्ट ने, सीबीआई की विशेष अदालत के फैसले को सिरे से खारिज कर दिया और मीडिया को उसके काम के लिए पहले सी आजादी प्रदान कर दी।

करो या मरो के मुकाबले में ट्रांसपोर्ट यूनाईटेड से भिड़ेगा बेंगलुरू एफसी

बेंगलुरू। बेंगलुरू एफसी को 2018 एएफसी कप फुटबाल टूर्नामेंट के दूसरे राउंड के क्वालीफायर में जगह बनाने के लिए यहां शुरूआती दौर के दूसरे चरण के मुकाबले में भूटान के ट्रांसपोर्ट यूनाईटेड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। पिछले हफ्ते थिंपू में पहले चरण में गोल रहित ड्रा के बाद बेंगलुरू एफसी के लिए कल होने वाला मैच करो या मरो का मुकाबला है। पिछले मुकाबले को छोड़ दिया जाए तो बेंगलुरू एफसी के पास अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम के बारे में अधिक जानकारी नहीं है जिसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ सकता है। बेंगलुरू एफसी के कोच अल्बर्ट रोका पिछले नतीजों को देखते हुए ट्रांसपोर्ट यूनाईटेड को हल्के में लेने की गलती नहीं करेंगे और कप्तान सुनील छेत्री सहित अपने नियमित खिलाड़ियों को उतार सकते हैं। छेत्री इंडियन सुपर लीग में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं जहां उन्होंने एक सत्र में सर्वाधिक गोल का नया भारतीय रिकार्ड बनाया है। हरमनजोत खाबरा और एडु गार्सिया से भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है जो आईएसएल में अच्छी फार्म में हैं। लेनी रोड्रिगेज और टोनी डोवाले भी मिडफील्ड में अपना प्रभाव प्रदर्शन जारी रखना चाहेंगे।

अगले साल भी ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब बचाने उतर सकते हैं फेडरर

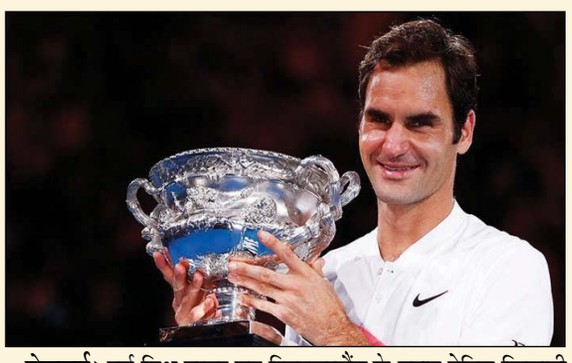

मेलबर्न। पूर्व विश्व नम्बर वन स्विट्जरलैंड के महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर ने अपना छठा ऑस्ट्रेलियन ओपन और 20 वांग्रैंडस्लेम खिताब जीतने के बाद कहा है कि वह अगले साल भी इस खिताब का बचाव करने उतरेंगे। 36 साल के फेडरर ने रविवार को क्रोएशिया के मारिन सिलिच की चुनौती पर 6-2, 6-7, 6-3, 3-6, 6-1 से काबू पाते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपना खिताब बरकरार रखा। फेडरर का यह रिकॉर्ड छठा ऑस्ट्रेलियन ओपन और 20वां ग्रैंड स्लेम खिताब था। फेडरर ने कहा, हां, मैं फिर से अपना खिताब बचाने के लिए वापसी करना पसंद करूंगा। मुझे पता है कि मैच के बाद मैं यह कहना भूल गया था, लेकिन मुझे उम्मीद है कि मैं अगले साल भी ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना खिताब बचाने उतरूंगा। स्विस मास्टर ने कहा कि उनका आगे का कार्यक्रम बहुत व्यस्त है। हालांकि उन्होंने अभी तक यह नहीं बताया है कि वह अगले महीने से शुरु होने वाले दुबई ओपन में हिस्सा लेंगे या नहीं।

मलिंगा जल्द ही ले सकते हैं अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

कोलंबो। पहले चयनकर्ताओं और बाद में इंडियन प्रीमियर लीग में नजरअंदाज किए जाने के बाद श्रीलंका के दिग्गज तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा जल्द ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं। 34 साल के मलिंगा गत सितंबर से ही श्रीलंका टीम से बाहर चल रहे हैं। वह आखिरी बार भारत के खिलाफ हुई घरेलू टी-20 सीरीज में टीम में हिस्सा थे। इसके बाद उन्हें बांग्लादेश दौरे पर हुई त्रिकोणीय सीरीज के लिए भी टीम में शामिल नहीं किया गया था। उन्होंने हाल ही में फिटनेस टेस्ट पास किया था। मलिंगा ने एक अंग्रेजी अखबार को दिए साक्षात्कार में कहा कि अगर टीम को मेरी सेवाएं किसी खिलाड़ी के रूप में नहीं चाहिए तो आगे बढने का यह सही समय है। मुझे पता है कि मेरे अंदर अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है और अगर मैं एक खिलाड़ी के रूप में योगदान नहीं दे सकता तो मैं विश्वकप में मेंटर के रूप में अपनी सेवाएं देने के लिए तैयार हूं। तेज गेंदबाज ने साथ ही यह भी कहा कि अगर कोई मुझे आज बुलाता है और कहता है कि हम आपको विश्वकप के लिए कोचिंग टीम में रखना चाहते हैं तो मैं इसे अभी स्वीकार करने के लिए तैयार हूं। मलिंगा को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 11वें संस्करण के लिए इस बार हुई नीलामी में भी किसी भी टीम ने नहीं खरीदा है। वह इससे पहले मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा थे। मलिंगा ने आईपीएल में अब तक 110 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 154 विकेट लिए हैं।

इस कारण सोशल मीडिया पर फैंस के निशाने पर आए शास्त्री

नई दिल्ली। टीम इंडिया के मुख्य कोच रवि शास्त्री दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में जीत के बाद इतने इतरा गए कि फैंस ने उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल करना शुरू कर दिया। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जोहानसबर्ग में तीसरे टेस्ट में शनिवार को 63 रन की शानदार जीत दर्ज की थी। इस मैच की दूसरी पारी में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 28 रन पर पांच विकेट लेकर करिश्माई प्रदर्शन किया था। हालांकि दक्षिण अफ्रीका ने टेस्ट सीरीज 2-1 से अपने नाम किया।

आखिरी टेस्ट जीतने के बाद भारतीय टीम बहुम खुश थी और उसने इस जीत का जश्न मैदान से लेकर अपने होटल तक मनाया, लेकिन अब कोच रवि शास्त्री ने जीत का जश्न मनाते हुए अपनी एक फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की है। शास्त्री ने जीत की खुशी जाहिर करने के लिए यह फोटो शेयर की थी, लेकिन यूजर्स को वह पसंद नहीं आई। फोटो को लेकर इस्टाग्राम यूजर्स शास्त्री को ट्रोल करने लगे। एक यूजर ने लिखा इंडिया के कोच साहब एक मैच जीतकर इतना खुश मत होइए, सीरीज पर ध्यान दीजिए बाद में यह सब कर लेना। दूसरे ने कहा कि शास्त्री जी, कृपया करके कम से कम अब वनडे और टी-20 सीरीज तो जीत लो। हालांकि कई लोगों ने शास्त्री और भारतीय खिलाडियों को इस शानदार जीत के लिए अपनी बधाई भी दी।

ब्रायन लारा को पछाड़ आगे निकले कोहली, गावस्कर के पहुंचे करीब

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ आईसीसी क्रिकेटर विराट कोहली जोहानिसबर्ग टेस्ट से 12 अंक जुटाकर टेस्ट बल्लेबाजों की सर्वकालिक खिलाड़ी रैंकिंग में वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी ब्रायन लारा को पछाड़ने में सफल रहे। कोहली ने तीसरे और अंतिम टेस्ट की शुरूआत 900 अंक से की थी और इस मुकाबले से उन्होंने 54 रन और 41 रन की बदौलत 12 अंक जुटाये।

इसका मतलब है कि उनके अब 912 अंक हैं और वह सर्वकालिक सूची में 26वें स्थान पर काबिज हैं जिसमें डान ब्रैडमैन 961 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। मौजूदा नंबर एक रैंकिंग के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 947 अंक से सर्वकालिक सूची में दूसरे स्थान पर हैं। कोहली ने इस तरह 31वें से 26वें स्थान पर छलांग लगायी और इस तरह उन्होंने लारा (911), केविन पीटरसन (909), हाशिम अमला (900), शिवनारायण चंद्रपॉल (901) और माइकल क्लार्क (900) को पीछे छोड़ा।

कोहली अब हमवतन और आईसीसी क्रिकेट हॉल ऑफ फेम सुनील गावस्कर के करीब पहुंच गये हैं जिनके 1979 में इंग्लैंड के खिलाफ द ओवल टेस्ट के बाद 916 अंक हुए थे। भारतीय कप्तान के पास अब जून में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट या अगस्त-सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में और अंक जुटाने का मौका होगा।

जोहानिसबर्ग टेस्ट से रैंकिंग में सुधार करने वाले अन्य बल्लेबाजों में अमला, डीन एल्गर और अजिंक्य रहाणे शामिल हैं। अमला एक पायदान के फायदे से सातवें, एल्गर दो पायदान के लाभ से 12वें और रहाणे पांच स्थान की छलांग से 18वें स्थान पर हैं। वहीं जिनके रैंकिंग स्थान में गिरावट आयी है, उनमें फाफ डु प्लेसिस 14वें (दो पायदान नीचे), लोकेश राहुल 20वें (दो पायदान नीचे), क्विंटन डि कॉक 27वें (सात पायदान नीचे) और ऐडन मार्कराम 48वें (10 पायदान नीचे) शामिल हैं।

टेस्ट गेंदबाजों की आईसीसी खिलाड़ी रैंकिंग के शीर्ष पांच स्थानों में कोई बदलाव नहीं हुआ है जिसमें जेम्स एंडरसन शीर्ष पर काबिज हैं, जिनके बाद कागिसो रबाडा, रविंद्र जडेजा, जोश हेजलवुड और रविचंद्रन अश्विन मौजूद हैं। शीर्ष 20 में जिन गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार हुआ है, उसमें मोर्ने मोर्कल और मोहम्मद शमी शामिल हैं। मोर्कल दो पायदान के फायदे से नौवें और शमी दो पायदान के लाभ से करियर के सर्वश्रेष्ठ 15वें स्थान पर पहुंच गये हैं।

भुवनेश्वर कुमार, इशांत शर्मा और जसप्रीत बुमरा की भारतीय तिकड़ी ने भी सुधार किया है। भुवनेश्वर अपने करियर में पहली बार शीर्ष 20 में पहुंचे, वह दो पायदान के फायदे से 20वें स्थान पर हैं। इशांत तीन पायदान के लाभ से अब 26वें स्थान पर जबकि बुमरा 36 पायदान के सुधार से करियर के सर्वश्रेष्ठ 46वें स्थान पर पहुंचे हैं। भुवनेश्वर और शमी ने आल राउंडर सूची में भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है, जिसमें बांग्लादेश के साकिब अल हसन की बादशाहत जारी है। भुवनेश्वर आठ पायदान की छलांग से रबाडा के साथ 12वें स्थान पर जबकि शमी 27वें से 17वें स्थान पर पहुंच गये हैं।

आईपीएल : नीलामी के वक्त वॉशरूम में चले गए नागरकोटी, वजह जान रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल के इस सीजन की नीलामी से कई क्रिकेटर्स की किस्मत चमक गई। इसके पीछे इन खिलाड़ियों की जीतोड़ मेहनत भी है। इन खिलाड़ियों की फेहरिस्त में युवा क्रिकेटर कमलेश नागरकोटी भी हैं। कमलेश नागरकोटी एक साधरण परिवार से वास्ता रखते हैं। अभी वे न्यूजीलैंड में खेले जा रहे अंडर 19 विश्व कप में भारतीय टीम का अहम हिस्सा हैं। उनकी शानदार गेंदबाजी विरोधी टीमों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। मैदान में एनर्जी से लबालब रहने वाले कमलेश नागरकोटी उस वक्त सुस्त पड़ गए जब आईपीएल नीलामी में उनके नाम की बोली लग रही थी। वे इस कदर नर्वस हुए कि टीवी के सामने से हट गए। इससे भी बात नहीं बनी तो वे वॉशरूम में घुस गए। उनके नाम पर बोली खत्म होने के बाद वे बाहर आए। उनके रूम पार्टनर पंकज यादव ने उन्हें बताया कि मोटी कीमत में उन्हें केकेआर ने खरीद लिया है। बता दें कि कमलेश नागरकोटी को 3 करोड़ 20 लाख में कोलकाता नाइट राइडर्स ने खरीदा है। नीलामी के वक्त कमलेश ही नहीं उनके परिजन, मित्र और कोच भी नर्वस थे। नीलामी के बारे में पता चलते ही कमलेश ने सबसे पहले अपने माता-पिता से बात की। कमलेश ने खुद बताया कि उस वक्त वे इस कदर नर्वस थे कि अपने दोस्तों के कॉल और मैसेज का जवाब तक नहीं दे पा रहे थे।

कमलेश ने क्रिकेट वेबसाइट को बताया कि जब उनके रूम पार्टनर पंकज यादव ने नीलामी की लाइव स्ट्रीमिंग लगाई तो वे नीलामी देख नहीं सके।कमलेश ने अपने दोस्त से कहा- यार मैं जा रहा हूं। वे वॉशरूम के अंदर बैठ गए। जबकि उनके नाम की बोली लग रही थी। कमलेश ने

बताया कि टीवी चैनल वाले उनके घरवालों का इंटरव्यू लेने पहुंच गए थे, जिसके कारण वे अपने परिजनों से लंबी बात नहीं कर पाए। लेकिन वे खुश हैं।

अंडर 19 विश्व कप सेमीफाइनल में पाकिस्तान से खेलेगा भारत

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)।

आईपीएल नीलामी में लुभावने करार पाने के बाद भारत की अंडर 19 टीम कल विश्व कप सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से खेलेगी। तीन बार की चैम्पियन भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अब तक बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सभी चारों मैच जीते हैं। इसमें बांग्लादेश के खिलाफ क्वार्टर फाइनल शामिल है।

दो बार की विजेता पाकिस्तान का सफर उतार चढाव भरा रहा है। उसे पहले ही मैच में अफगानिस्तान ने हराया लेकिन उसके बाद पाकिस्तान ने लगातार तीन मैच जीते। पिछले दो मैच में उसे हालांकि श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका पर करीबी मुकाबलों में तीन तीन विकेट से जीत मिली। बायें हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने निराश किया।

मध्यक्रम में अली जरियाब आसिफ ने दो दफे टीम को मुसीबत से निकाला। उसने श्रीलंका के खिलाफ 59 और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में 74 रन बनाये। फार्म में चल रहे भारतीय तेज गेंदबाज कमलेश नागरकोटी और शिवम मावी विरोधी बल्लेबाजों की कमजोरी का पूरा फायदा उठाना चाहेंगे।

विश्व कप में अपने प्रदर्शन के दम पर आईपीएल में लुभावने करार पाने वाले भारतीय युवा खिलाड़ियों के हौसले बुलंद होंगे। केकेआर ने नागरकोटी को तीन करोड़ 20 लाख रुपये और मावी को तीन करोड़ रूपये में खरीदा। बायें हाथ के स्पिनर अनुकूल राय और अभिषेक शर्मा को क्रमशः मुंबई इंडियंस और दिल्ली डेयरडेविल्स ने 20 लाख और 55 लाख रुपये में खरीदा।

बल्लेबाजी में कप्तान पृथ्वी शॉ को मुंबई इंडियंस ने एक करोड़ 20

लाख रूपये में खरीदा जबकि शुभमान गिल को केकेआर ने एक करोड़ 80 लाख रूपये में टीम में शामिल किया। शॉ के सलामी जोड़ीदार मनजोत कालरा को दिल्ली डेयरडेविल्स ने बीस लाख रूपये में खरीदा।

इन खिलाड़ियों को हालांकि आईपीएल नीलामी के जश्न को भुलाकर अगले मैच पर फोकस करना होगा। कोच राहुल द्रविड़ ने ताकीद भी की है,''आईपीएल नीलामी हर साल होगी लेकिन हर साल विश्व कप खेलने का मौका नहीं मिलेगा और इस मैच में फाइनल में जगह दाव पर है।''

भारतीय बल्लेबाजों को अफरीदी से संभलकर खेलना होगा जो चार मैचों में 11 विकेट ले चुका है। पाकिस्तान ने क्वार्टर फाइनल इसी मैदान पर खेला था लिहाजा हालात से उसकी वाकफियत बेहतर होगी। क्वार्टर फाइनल के बाद गिल ने कहा था,'' हमें एशिया कप में मिली हार याद थी लिहाजा हम हर हालत में बांग्लादेश को हराना चाहते थे। अब पाकिस्तान से खेलने का बेताबी से इंतजार है।''

गंभीर को डेयरडेविल्स के साथ अधूरा काम पूरा करना है: दुआ

नयी दिल्ली। दिल्ली डेयरडेविल्स के सीईओ हेमंत दुआ का मानना है कि गौतम गंभीर जहां से ताल्लुकात रखते हैं वहां उनकी वापसी हुई है और वह चाहते हैं कि वह इस फ्रेंचाइजी के लिये इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब जीतकर अपना अधूरा काम पूरा करें। गंभीर 2008-10 तक डेयरडेविल्स के खिलाड़ी थे। वह कोलकाता नाइटराइडर्स के साथ सात साल बिताने के बाद अब दिल्ली की टीम की अगुवाई करेंगे। केकेआर ने गंभीर के नेतृत्व में दो खिताब जीते थे। दुआ ने कहा, ''हम गौतम को वापस लेने के इच्छुक थे क्योंकि फ्रेंचाइजी के साथ उनका काम अधूरा (आईपीएल ट्राफी जीतना) छूटा है। पिछले आईपीएल में वह डेविड वार्नर के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। इससे भी बढ़कर वह अच्छे नेतृत्वकर्ता हैं।'' दुआ को खुशी है कि टीम गठन के मामले में नवनियुक्त मुख्य कोच रिकी पोंटिंग और गंभीर की सोच एक जैसी है। उन्होंने कहा, ''मैंने निजी तौर पर यह सुनिश्चित किया कि पोंटिंग और गंभीर एक दूसरे से बात करें और बतायें कि उनके दिमाग में क्या है। मुझे खुशी है कि टीम गठन के मामले में उनकी एक जैसी राय है। उन्होंने भावी योजनाओं को लेकर लंबी बातचीत की।'' दुआ ने स्वीकार किया कि केकेआर ने जब गंभीर के लिये राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड का उपयोग नहीं करने का फैसला किया तो उन्हें टीम से जोड़ना मुश्किल नहीं था। उन्होंने कहा, ''भारत से तीन संभावित कप्तान थे रविचंद्रन अश्विन, अंजिक्य रहाणे और गौतम गंभीर। पांच फ्रेंचाइजी के पास कप्तान थे और ऐसे में हमारे पास कुछ ही विकल्प थे। जब किंग्स इलेवन ने अश्विन को लिया तो फिर यह तय हो गया कि हमें गौतम को लेना है।''

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को 3 विकेट हराकर जीता प्लेट चैम्पियनशिप

क्राइस्टचर्च। सलामी बल्लेबाज हसिथा बोयागोडा और धनजंय लक्षण के बीच दोहरी शतकीय साझेदारी से श्रीलंका ने आज यहां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के प्लेट चैम्पियनशिप फाइनल में वेस्टइंडीज को तीन विकेट से शिकस्त दी। बोयागोडा (116 रन, 124 गेंद, 17 चौके, एक छक्का) और लक्षण (98 रन, 119 गेंद, 12 चौके, एक छक्का) ने श्रीलंका को वेस्टइंडीज के पांच विकेट पर 254 रन के स्कोर को पीछे छोड़ने के लिये अच्छी मजबूत स्थिति में ला दिया लेकिन बल्लेबाजी क्रम के गिरने से 2000 के फाइनल में पहुंची टीम के लिये चीजें मुश्किल हो गयीं। लेकिन अंत में केवल दो गेंद रहते टीम मैच जीतने में सफल रही।

सुपर लीग के मैच में बांग्लादेश ने पांचवें स्थान के प्ले आफ सेमीफाइनल में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराया, जिससे वह बुधवार को क्रींसटाउन में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। बुधवार को होने वाले मैच की विजेता टीम टूर्नामेंट में पांचवें स्थान पर रहेगी। इंग्लैंड अब 30 जनवरी को न्यूजीलैंड से खेलेगा जिससे सातवें स्थान का फैसला होगा। एलिक अथानजे के नाबाद 110 रन की बदौलत वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी का न्यौता मिलने के बाद पांच विकेट पर 254 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया।

दक्षिण अफ्रीका पर 4-2 की जीत से वनडे में भी शीर्ष पर पहुंच जाएगा भारत

दुबई (एजेंसी)।

टेस्ट क्रिकेट में आईसीसी टीम रैंकिंग में सर्वोच्च स्थान पर काबिज भारत के पास एकदिवसीय टीम रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने का मौका रहेगा लेकिन इसके लिये उसे अभी नंबर एक दक्षिण अफ्रीका को डरबन में एक फरवरी से शुरू होने वाली छह वनडे मैचों की श्रृंखला में बड़े अंतर से हराना होगा। विराट कोहली की अगुवाई वाली भारतीय टीम अगर इस श्रृंखला में 4-2 या इससे बेहतर अंतर से जीत दर्ज करती है तो वह शीर्ष पर पहुंच जाएगी। दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका को शीर्ष स्थान बरकरार रखने के लिये श्रृंखला केवल ड्रा करानी होगी।

लेकिन अगर दक्षिण अफ्रीका 5-1 या बेहतर अंतर से जीत दर्ज करता है तो भारत तीसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड से दशमलव में गणना करने पर पीछे खिसक जाएगा। दक्षिण अफ्रीका के अभी 121 जबकि भारत के 119 अंक हैं। इंग्लैंड 116 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस बीच भारतीय कप्तान विराट कोहली आईसीसी वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में 876 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स (872) दूसरे स्थान पर हैं। उनके बाद आस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर (823), रोहित शर्मा (816) और पाकिस्तान के बाबर आजम (813) का नंबर आता है।

महेंद्र सिंह धोनी एक पायदान नीचे 13वें स्थान पर खिसक गये हैं। उनसे एक पायदान नीचे शिखर धवन हैं। गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह (728 अंक) शीर्ष पर काबिज इमरान ताहिर (743) और न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट (729) के बाद तीसरे स्थान पर हैं। बायें हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल 643 अंकों के साथ दसवें स्थान पर हैं। आईसीसी वनडे आलराउंडरों की सूची में कोई भी भारतीय शीर्ष दस में शामिल नहीं है। इसमें बांग्लादेश के शाकिब अल हसन शीर्ष पर हैं। उनके बाद पाकिस्तान के मोहम्मद हफीज और अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी का नंबर आता है। वनडे टीम रैंकिंग में विश्व चैंपियन आस्ट्रेलिया दो पायदान नीचे पांचवें स्थान पर खिसक गया है। इंग्लैंड ने उससे पांच मैचों की श्रृंखला 4-1 से जीती थी।

रामसिंह परमार को जीसीएमएमएफ का चेयरमेन बनाना भाजपा की रणनीति

अहमदाबाद (ईएमएस) । गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए रामसिंह परमार आज गुजरात कॉ. ऑ. मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) के चेयरमेन बन गए। जीसीएमएमएफ के चेयरमेन पद की रेस में सबसे गुजरात के पूर्व स्वास्थ्य राज्यमंत्री शंकर चौधरी का नाम सबसे आगे था। बीते दिन हुई बैठक में सभी पक्षों के फैसला करने का एक पंक्ति में प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में मौजूद 15 समेत अनुपस्थित 3 दूध समितियों के अध्यक्षों ने फैसला करने का अधिकार भाजपा हाईकमांड को सौंप दिया। संभावना थी कि भाजपा हाईकमांड शंकर चौधरी को चेयरमेन और रामसिंह परमार को वाइस चेयरमेन बना सकती है। लेकिन इसके उलट आज शंकर चौधरी ने ही रामसिंह परमार के नाम का प्रस्ताव पेश किया गया। जिसे सर्वसहमति से पास कर दिया गया। रामसिंह परमार जीसीएमएमएफ के चेयरमेन और सेहरा से भाजपा विधायक जेठाभाई भरवाड वाइस चेयरमेन चुन लिए गए। रामसिंह परमार को जीसीएमएमएफ का चेयरमेन बनाकर भाजपा ने एक तीर से दो निशान साधने का प्रयास किया है। सालाना रु. 29000 करोड़ का कारोबार करनेवाले जीसीएमएमएफ के चेयरमेन और वाइस चेयरमेन के चुनाव के लिए भाजपा के पास शंकर चौधरी, रामसिंह परमार, जेठाभाई पटेल, जेठाभाई भरवाड और मोहनभाई भरवाड जैसे डेयरी उद्योग के अग्रणी रेस थे। हांलाकि शंकर चौधरी के गुजरात स्टेट कॉ.ऑ बैंक के चेयरमेन और बनासकांठा डेयरी के चेयरमेन होने से भाजपा ने उनके स्थान पर रामसिंह परमार को जीसीएमएमएफ का चेयरमेन बनाने का फैसला किया। शंकर चौधरी को सहकारी क्षेत्र में लंबी रेस के खिलाड़ी मानते हुए भाजपा ने रामसिंह परमार को जीसीएमएमएफ का चेयरमेन बनाकर विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ भाजपा में आने पर उनका ऋण अदा किया है। इसी प्रकार जेठाभाई भरवाड को उनकी साख और नेतागिरी के उपयुक्त प्रतिष्ठापूर्ण राजनीतिक विदाई के तहत भाजपा ने उन्हें जीसीएमएमएफ का वाइस चेयरमेन बनाया है। रामसिंह परमार और जेठाभाई भरवाड को भाजपा ने एक रणनीति के तहत जीसीएमएमएफ का चेयरमेन और वाइस चेयरमेन बनाया है। 2019 में होनेवाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मध्य गुजरात में कांग्रेस के गढ़ ढहाने के उद्देश्य से भाजपा ने यह दांव खेला है। क्योंकि रामसिंह परमार और जेठाभाई भरवाड दोनों मध्य और पूर्व गुजरात के हैं तथा इन क्षेत्रों में कांग्रेस का वर्षों से दबदबा बरकरार है। 2019 के चुनाव में इन दोनों नेताओं की मदद से मध्य और पूर्व गुजरात की लोकसभा सीटें जीतने के मकसद से भाजपा ने रामसिंह और जेठा भरवाड चेयरमेन और वाइस चेयरमेन बनाया होने का सहकारी क्षेत्र में चर्चा है। गौरतलब है कि वार्षिक रु. 29000 करोड़ के टर्नऑवर वाले जीसीएमएमएफ के 33 जिलों में 18 यूनियन सदस्य हैं और 36 लाख दूध उत्पादक सदस्य हैं। एक दिन में 18549 गांवों से करीब 1.80 करोड़ लीटर से ज्यादा दूध खरीदा जाता है, जिसकी मार्केटिंग संस्था अमूल और सागर है। जो पूरे देशभर में डेयरी प्रोडक्ट की बिक्री करती हैं। जीसीएमएमएफ से जुड़ी 18 संस्थाओं में खेडा डिस्ट्रीक्ट कॉ.ऑ. मिल्क प्रोड्युसर सिनियर लि., मेहसाणा, साबरकांठा, बनासकांठा, सूरत, वडोदरा, पंचमहल, वलसाड, भरुच, अहमदाबाद, राजकोट, गांधीनगर, सुरेन्द्रनगर, अमरेली, भावनगर, कच्छ, जूनागढ़, पोरबंदर डिस्ट्रक्टी कॉ.ऑ. मिल्क प्रोड्युसर सिनियर लिमिटेड शामिल हैं।

अहमदाबाद मंडल पर लदान एवं आय का कीर्तिमान

अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद मंडल पश्चिम रेलवे का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण मंडल है। अहमदाबाद मंडल पश्चिम रेलवे के माल ढुलाई में औसत 40 प्रतिशत का योगदान रहा है। चालू वर्ष में पश्चिम रेलवे का 74 मिलियन टन माल भाडा लोडिंग करने का लक्ष्य है। पश्चिम रेलवे के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अहमदाबाद मंडल को 30.704 टन का लदान हासिल करने का लक्ष्य है। अहमदाबाद मंडल में पहले ही 23.641 मिलियन टन का लदान हो चुका है जो दिसंबर 2017 के लक्ष्य 22.238 मिलियन टन के लक्ष्य से 6.31 प्रतिशत अधिक है। अहमदाबाद मंडल ने लौह-इस्पात, पामोलिव तेल, कार एवं खल्ली के लदान में अप्रत्याशित वृद्धि हांसिल की है। जिसमें 102 प्रतिशत लौह-इस्पात में, पामोलिव तेल में 29.46 प्रतिशत, कार में 54 प्रतिशत तथा खल्ली में 200 प्रतिशत वृद्धि हासिल की है। इसके अतिरिक्त अहमदाबाद मंडल में अनाज, कंटेनर, कोयला, एलपीजी, बौटोनाइट पाउडर इत्यादि का भी उल्लेखनीय लदान हुआ है। काफी समय बाद अहमदाबाद मंडल ने सीमेन्ट एवं क्लीन्कर के ट्राफिक को पुन: रेलवे की तरफ आकर्षित करने में इस वर्ष में सफलता पाई है।

वर्ष 2003 में अहमदाबाद मंडल की स्थापना के बाद से इस वर्ष वैगन प्रतिदिन लदान में अहमदाबाद मंडल से दूसरा सबसे ज्यादा लदान प्राप्त किया है यद्यपि मंडल के अलग अलग सेक्शन में नियमित रखरखाव के ब्लॉक के साथ में बड़े आधारभूत संरचनाओं के निर्माण कार्य जैसे रेल दोहरीकरण, अमान परिवर्तन, विद्युतीकरण एवं डेडिकेटेड फ्रैट कोरिडोर कार्य जारी है। अहमदाबाद मंडल पश्चिम रेलवे का इकलौता मंडल है जहां उत्तर भारत के लिए डबल स्टेक कंटेनर ट्रेन सफलतापूर्वक चलाई जा रही है। जिसके फलस्वरूप कंटेनर के लदान में पिछले वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। लदान में यह बढ़ोत्तरी मंडल रेल प्रबंधक दिनेशकुमार एवं वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक मधुकर रोत के गतिशील नेतृत्व की वजह से संभव हुई है जिनकी एक समन्वयक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका की वजह से जखवाड़ा, साणंद एवं सुखपुर स्टेशन पर प्राइवेट फ्रेट टर्मिनल एवं विरमगाम और कांडला पोर्ट में प्राइवेट साइडिंग की सफलतापूर्वक स्थापना संभव हो चुकी है। जिसके फलस्वरूप कंटेनर की लदन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प.रे. के महाप्रबंधक ने राजकोट मंडल का वार्षिक निरीक्षण किया

अहमदाबाद (ईएमएस)। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक एके गुप्ता द्वारा आज राजकोट मंडल के मोरबी-राजकोट-हापा रेलखंड का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान मोरबी में रेल स्टेशन पर ईडर गार्डन उद्यान रेलवे कॉलोनी में गार्डन का उनकी उपस्थिति में शुभारंभ किया गया। उन्हें आरपीएफ द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। वार्षिक निरीक्षण के दौरान गुप्ता ने रेलवे कॉलोनी बड़े व छोटे पुल, कई ट्रैक, मोरबी, मकनसर, राजकोट व जालिया देवानी में स्थिति यात्री सुविधाएं, प्लेटफार्म हाईट व क्रासिंग, गेंगचाल, समपार फाटक, रूट रीले इन्टरलोकिंग सिस्टम व ड्राइवर लाबी का भी सघन निरीक्षण किया। उन्होंने मोरबी, मकनसर एवं राजकोट में स्थानीय कला एवं संस्कृति को दर्शानेवाली पेइन्टिंग्स की सराहना करते हुए मंडल के अन्य स्टेशनों पर भी क्रियान्वित करने का सुझाव दिया। गुप्ता ने मोरबी, जालिया देवानी स्टेशन पर वृक्षारोपण भी किया। प्रेस व मीडिया व व्यापार मंडलों के प्रतिनिधि, मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों व गणमान्य नागरिकों से सौजन्य मुलाकात की एवं आवेदन स्वीकार किए।

एक फरवरी से बढ़े हुए जॉब चार्ज लागू

प्रोसेसर्स 10 प्रतिशत बढ़ोतरी कर भेजेंगे बिल

संवाददाता, सूरत। दक्षिण गुजरात प्रोसेसर्स एसोसिएशन की ओर से एक फरवरी को बढ़ाए गए जॉब चार्ज को लागू करने के लिए अडिग है। दक्षिण गुजरात प्रोसेसर्स एसोसिएशन की ओर से गत बीते माह में पांडेसरा इलाके में स्थित एसोसिएशन कार्यालय में प्रोसेसर्स की मिटिंग में जॉब चार्ज में 10 से 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया गया था। उस निर्णय को एक फरवरी से किसी भी दशा में लागू किया जाएगा। प्रोसेसर्स की ओर से 10 प्रतिशत जॉब चार्ज में बढ़ोतरी कर बिल भेजा जाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार शहर व शहर के बाहर स्थित प्रोसेसिंग मिल मालिकों ने जॉब चार्ज में 10 से 15 प्रतिशत बढ़ोतरी का निर्णय पांडेसरा स्थित दक्षिण गुजरात प्रोसेसर्स एसोसिएशन की बैठक में लिया गया था। प्रोसेसर्स एसोसिएशन के इस निर्णय का फोस्टा ने विरोध किया था। फोस्टा पदाधिकारियों ने जेजे एसी मार्केट के बोर्डरूम में आयोजित बैठक में निर्णय लिया कि प्रोसेसर्स एसोसिएशन अगर अपने फैसले को वापस नहीं लेता है तो फोस्टा कपड़ा मार्केट के अध्यक्ष व सचिव को पत्र लिखकर प्रोसेसिंग के मिल को ग्रे कपड़ा नहीं भेजने का अपील करेगा। जबकि प्रोसेसर्स एसोसिएशन फोस्टा के विरोध को नजर अंदाज कर एक फरवरी से फिनिश्ड कपड़ा पर 10 प्रतिशत जॉब चार्ज बढ़ाकर बिल भेजेंगे।

व्यापारियों को परेशानी नहीं होनी चाहिए

जीएसटी का असर से प्रोसेसिंग युनिट भी प्रभावित हुई है। इसलिए दक्षिण गुजरात प्रोसेसिंग एसोसिएशन अगर जॉब जार्च में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करती है तो इसमें कपड़ा व्यापारियों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। अगर फोस्टा इस निर्णय का विरोध करती है तो वह अलग बात है। **पूर्व फोस्टा अध्यक्ष व कपड़ा व्यापारी, सांवर प्रसाद बुधिया**

इनका कहना है :- प्रोसेसिंग जॉब चार्ज में साल भर में एक बार आंशिक बढ़ोतरी की जाती है। जबकि जीएसटी लागू होने से प्रोसेसिंग के सभी मैटेरियल व मजदूरी महंगी हो गई है। जबकि ग्रे कपड़े में आए दिन बढ़ोतरी की जाती है। उसके लिए फोस्टा पदाधिकारी विरोध नहीं करते हैं। जॉब जार्च में बढ़ोतरी न्याय संगत है। **गोपालभाई रीणवा, प्रोसेसर्स, पांडेसरा जीआईडीसी**

दुष्कर्म के आरोपी युवक ने आत्महत्या कर ली

मोरबी (ईएमएस)। जिले धुनडा सज्जनपुर गांव निवासी 20 वर्षीय एक युवक ने एसिड पीकर आत्महत्या का प्रयास किया था। जिसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि मृतक युवक के खिलाफ पांच महीने पहले दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। जानकारी के मुताबिक मोरबी जिले की टंकारा तहसील के धुनडा सज्जनपुर गांव निवासी 20 वर्षीय धर्मेश गिरीश शेरसिया नामक युवक ने गत 22 जनवरी को एसिड पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया था। गंभीर हालित में धर्मेश को राजकोट के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

शहीदों की याद में आज 11 बजे दो मिनट का मौन

अहमदाबाद (ईएमएस) । स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अपने प्राणों की आहूति देनेवाले महान शहीदों की स्मृति में 30 जनवरी 2018 को सुबह 11 बजे दो मिनट का मौन रख शहीदवीरों के प्रति ऋण अदा किया जाएगा। गुजरात सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के मुताबिक मंगलवार की सुबह 10.59 से 11.00 बजे के दौरान सायरन बजाई जाएगी। सायरन के बंद होते ही जो जहां कार्य करता हो उन सभी स्थलों पर कामकरनेवाले सभी अपनी अपनी जगह पर शांति से खड़े रहकर, संभव हो समूह में मौन रखें। जहां संभव हो वहां कारखाने और कचहरियों में कामकाज बंद रखें। आकाशवाणी दो मिनट अपने कार्यक्रम बंद रखे और सड़कों पर संभव हो तो यातायात दो मिनट रोक देने का अनुरोध किया गया है। साथ ही 11.00 बजे से छूटने वाली ट्रेनों और उड़ानों को भी दो मिनट के लिए रोक देने की अपील की गई है। सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के मुताबिक मंगलवार की सुबह 10.59 से 11.00 बजे के दौरान सायरन बजाई जाएगी। सायरन के बंद होते ही जो जहां कार्य करता हो उन सभी स्थलों पर कामकरनेवाले सभी अपनी अपनी जगह पर शांति से खड़े रहकर, संभव हो समूह में मौन रखें। जहां संभव हो वहां कारखाने और कचहरियों में कामकाज बंद रखें। मौन का समय पूर्ण होने पर ठीक सुबह 11.02 बजे से 11.03 बजे तक सायरल दोबारा बजाई जाएगी, ताकि लोग अपना कामकाज पुन: शुरू कर सकें। जिन स्थलों पर सायरन या अन्य कोई संकेत की व्यवस्था नहीं है, वहां सुबह 11.00 बजे दो मिनट का मौन रखने के लिए संबंधित कचहरियों को आदेश दिए गए हैं।

वराछा में छूरा मारकर युवक की हत्या

एक आरोपी गिरफ्तार, दो स्थल से फरार हो गए

संवाददाता, सूरत। वराछा कापोद्रा चार रास्ता बाम्बे कालोनी के पीछे तीन युवकों ने एक युवक पर रैम्बो छूरा से हमला करके मौत के घाट उतार दिए। जबकि एक आरोपी को वराछा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और दो फरार हो गए।

घटना के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार वराछा के कापोद्रा चार रास्ता के पास बाम्बे कालोनी के पीछे शौचालय के बगल में एक करीब 30 वर्षीय युवक जिसका नाम पता मालूम नहीं हो सका। इस अज्ञात युवक के सीने और शीर के अन्य जगहों पर छूरा से हमला करके हत्या कर दिए। हमला करने वाले युवकों में एक जयराज ननकू खूमण को पुलिस ने गिफ्तार कर लिया। जबकि उसके अन्य दो साथी संजय और जगो (राजस्थली) फरार हो गए। आरोपियों ने युवक की हत्या क्यों की इस बारे में पुलिस पकड़े गए आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है।

क्राइम ब्रांच ने दो लुटेरों को किया गिरफ्तार

संवाददाता, सूरत। रात के समय में लोगों के मार पीटकर उनके पास से नकदी, मोबाइल व जेवर की लूट करने वाली गैंग के दो आरोपियों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से लूट के पांच मोबाइल भी पुलिस ने बरामद की है। कापोद्रा के योगीचौक क्षेत्र से क्राइम ब्रांच ने लूट करने वाली गैंग के दो लुटेरों को गिरफ्तार किया है। जिसकी जांच में आरोपियों द्वारा सरथाणा क्षेत्र में दो और अमरोली क्षेत्र में की गई बारदात का पर्दाफाश किया है।

पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी मोहन सारेल मूलत: मध्यप्रदेश और विजय उर्फ वीजो वालाभाई चारेल के पास से पांच मोबाईल भी मिले हैं। पता चला है कि ये दिन में मजूरी काम करते थे और रात के समय में मौका देखते ही लोगों पर हमला करके उनके पास से माल सामान की लूट करके फरार हो जाते थे। पूछताछ से पता चला है कि इनकी कुल नौ सदस्यों की गैंग है। पुलिस इस गैंग के अन्य सदस्यों को पकड़ने के लिए प्रयास तेज कर दी है।

सड़क पर अचानक कार में लगी आग, बाल बाल बचे 5 लोग

वडोदरा (ईएमएस)। शहर के फतेगंज ब्रिज के नीचे एक कार में अचानक आग से अफरातफरी मच गई। कार में सवार पांच लोगों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंचे इससे पहले कार आग में पूरी तरह जल चुकी थी। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के भरवाड वास निवासी मूलुभाई मछार प्लबिंग का काम करते थे। सुबह करीब 9 बजे मूलुभाई अपने चार कारीगरों के साथ मारुति झेन कार में मंजूसर जीआईडीसी की ओर जा रहे थे। उस वक्त रास्ते में फतेगंज ब्रिज के नीचे कार से अचानक धुआं निकलने लगा। धुआं निकलते देख मूलुभाई मछार अपने कारीगरों के साथ कार से बाहर निकल गए और बोनट खोलने का प्रयास करने लगे। लेकिन बोनट नहीं खुला और कुछ ही क्षण में कार में आग भड़क उठी। कार में आग लगते ही यातायात रोक दिया गया और फायर ब्रिगेड को घटना की इत्तला दे दी गई। हांलाकि फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंचे उससे पहले कार आग में पूरी तरह से जलकर नष्ट हो चुकी थी। वडोदरा फायर ब्रिगेड के अधिकारी ओम जाडेजा ने बताया कि कार में अपर्याप्त रखरखाव और ऐहतियात के अभाव में आग लगी होने की आशंका है।

सूरत मनपा आयोजित 17वें पुस्तक मेले का समापन

संवाददाता, सूरत। शहर के वनिता विश्राम में महानगरपालिका द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष में 17वें पुस्तक मेले का आयोजन 24 से 28 जनवरी जक किया गया था। जिसका 28 जनवरी को हर्षोल्लास के साथ समापन किया गया।

75 नगर पालिका चुनाव के लिए अधिसूचना जारी, नामांकन प्रक्रिया शुरू

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात के निर्वाचन आयोग ने राज्य की 75 नगर पालिकाओं के चुनाव के लिए आज अधिसूचना जारी कर दी। इसी के साथ आज से उम्मीदवारों के नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। 3 फरवरी तक उम्मीदवार नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। 5 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 6 फरवरी तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकेगी। 17 फरवरी को 75 नगर पालिकाओं में वोट डाले जाएंगे। जरूरत हुई तो 18 फरवरी को पुनर्मतदान होगा और 19 फरवरी 2018 को मतगणना होगी। नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ होने के बावजूद भाजपा और कांग्रेस ने अब तक अपने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं की। फिलहाल भाजपा और कांग्रेस दोनों ही उम्मीदवारों के चयन में जुटी हुई हैं। जानकारी के मुताबिक 1 या 2 फरवरी को भाजपा और कांग्रेस अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर सकती हैं। गुजरात विधानसभा के बाद अब नगर पालिका चुनाव भी दोनों राजनीतिक दलों के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न है। विधानसभा चुनाव में ग्रामीण इलाकों के साथ अर्धशहरी क्षेत्रों में कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन किया था। कांग्रेस अब नगर पालिका चुनावों में भी भाजपा को कड़ी टक्कर देने के लिए कमर कस रही है। जिन 75 नगर पालिकाओं में चुनाव होने हैं, उनमें से 59 नगर पालिकाओं में भाजपा सत्तारूढ़ है। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए भाजपा के लिए 59 नगर पालिकाओं में सत्ता बरकरार रखना काफी मुश्किल लग रहा है। फिलहाल भाजपा और कांग्रेस अपनी अपनी जीत के दावे कर रहे हैं।

हार्दिक पटेल ने पूर्व रेल मंत्री से की मुलाकात, ममता बनर्जी की प्रशंसा

अहमदाबाद (ईएमएस)। पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) नेता हार्दिक पटेल ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और पूर्व रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी से मुलाकात की। साथ ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रशंसा की। सोशल मीडिया में पोस्ट कर हार्दिक पटेल ने कहा कि मूल गुजराती और पश्चिम बंगाल से लोकसभा सददस्य और पूर्व केन्द्रीय रेल मंत्री तथा कच्छी मांडु गुजराती से मिलकर काफी खुशी हुई। आज मुझे पता चला कि कई भक्त ममता दीदी को हिन्दू विरोधी बताते हैं। लेकिन पश्चिम बंगाल में काफी कम गुजराती होने के बावजूद कई वर्षों से ममता दीदी के साथ राजनीति में रहे दिनेश त्रिवेदी ने ऐसे भक्तों को मुंह बंद कर दिए हैं। गौरतलब है इससे पहले भी हार्दिक पटेल ने हिन्दुत्व के मुद्देपर प्रधानमंत्री मोदी समेत भाजपा की कड़ी आलोचना की थी। हार्दिक पटेल ने हाल ही में किए अपने ट्वीट में कहा था कि देश के ज्यादातर राज्यों में हिन्दू मुख्यमंत्री हैं और सबसे ज्यादा सांसद भी हिन्दू हैं। राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी हिन्दू हैं। इसके बावजूद हिन्दुओं को आखिर खतरा किससे है। हार्दिक पटेल ने ट्वीट पर कहा कि भाजपा ने अपने स्वार्थ के लिए यह भ्रम पैदा किया है। कब इस भ्रम में रहोगे, जागो।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com